भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं .405

जिसका उत्तर 06.12.2023 को दिया जाना है

भारतमाला परियोजना पर सीएजी की सुमुक्ति

405 श्री . मल्लिकार्जुन खरगे:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भारतमाला परियोजना के स्वीकृत बजट के अनुमोदित बजट से अधिक होने सहित बढ़ी हुई लागत पर चिंता व्यक्त की थी;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार ने इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए हैं;

(ग) भारतमाला परियोजना की शुरुआत के बाद से इसके लिए आवंटित, स्वीकृत और उपयोग की गई कुल धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि सीएजी ने अन्य योजनाओं हेतु चिह्नित निधि का उपयोग भारतमाला परियोजना के लिए किए जाने के बारे में चिंता व्यक्त की थी;

(ड.) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में उठाए गए सुधारात्मक कदमों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने भारतमाला परियोजना चरण I (बीपीपी-I) की लागत में वृद्धि के बारे में टिप्पणी की है।

आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) ने 2017 में 5.35 लाख करोड़ लागत से कुल 34,800 किलोमीटर भारतमाला परियोजना के चरण 1 को मंजूरी दी, जिसमें राष्ट्रीय राजमार्ग गलियारों का विकास शामिल है। यह मानक लागत पर आधारित था, न कि भारतमाला परियोजना के तहत प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्गों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) के आधार पर। बाद में डीपीआर तैयार की गई और प्रत्येक परियोजना के लिए सक्षम प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त किया गया। भारतमाला परियोजना के तहत वास्तविक परियोजना लागत और मानक लागत में अंतर कच्चे माल की लागत में वृद्धि, भूमि अधिग्रहण लागत में वृद्धि, उच्च गति गलियारों के निर्माण और जीएसटी दरों में वृद्धि आदि के कारण है।

(ग) 31 अक्टूबर 2023 तक, कुल व्यय लगभग 4.10 लाख करोड़ रुपये है।

(घ) और (ड.) सीएजी ने अन्य योजनाओं से बीपीपी-आई में निधि के विचलन के बारे में टिप्पणी की है। हालाँकि, बीपीपी-आई के कार्यान्वयन में अन्य योजनाओं से निधि का कोई विचलन नहीं किया गया है। कुछ बीपीपी-आई परियोजनाओं की योजना पहले सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अन्य योजनाओं जैसे बाह्य सहायता प्राप्त परियोजना (ईएपी), राष्ट्रीय राजमार्ग मूल कार्य एनएच (मूल), और एसएआरडीपी योजना के तहत बनाई गई थी जिसे बाद में उन्हें नेटवर्क योजना के अनुसार बीपीपी-आई के तहत प्राथमिकता दी गई।

*****